الرابطة القلمية (١٩٢٠ - ١٩٣١م)

منذ أواخر القرن التاسع عشر بدأت جماعات من أبناء البلاد العربية تنزح إلى بلاد أمريكا الشمالية والجنوبية، بعضها هربا من جور الأتراك وبعضها الآخر طلبا للرزق، وبعضها الآخر للسببين معا، وبين المهاجرين فئة من الشباب المثقف الواعى، وقد انقسم هؤلاء الأدباء المهجريون إلى فئتين: فئة المهجر الشمالى أى الولايات المتحدة، وفئة المهجر الجنوبى أى أمريكا الجنوبية وعلى الخصوص البرازيل والأرجنتين وفنزويلا.

Scanned with CamScanner

وفئة المهجر الشمالى هى التى قامت بتأسيس الرابطة القلمية، فقد انعقد فى ليلة العشرين من نيسان عام ١٩٢٠م مجلس ضم باقة طيبة من الشباب اللبنانى والسورى كانت الغيرة على الأدب العربى تتلهب فى نفوسهم والأسف على حالته المؤلمة تضطرب فى قلوبهم، وسرعان ما اتفقت الآراء على الفكرة وعلى مباشرة العمل لتحقيق الفكرة، ولم يمض أكثر من أسبوع حتى خرجت الرابطة القلمية من حيز التفكير إلى حقيقة الوجود، يرأسها خليل جبران، ويعاونه فى إدارتها ميخائيل نعيمة مستشارا ووليم كاتسفليس خازنا، ويعمل تحت لوائها سبعة آخرون يحملون اسم "العمال" هم إيليا أبو ماضى ونسيب عريضة وعبد المسيح حداد ورشيد أيوب وندرة حداد ووديع باحوط وإلياس عطاء الله.

وراح أعضاء الرابطة ينشرون إنتاجهم فى جريدة "السائح" التى يملكها أحدهم وهو عبد المسيح حداد، وكانوا ينشرون إنتاجهم قبل ذلك فى مجلة "الفنون" التى يملكها نسيب عريضة ولكنها احتجبت قبل نشوء الرابطة.

ومنذ أن ظهرت الرابطة للوجود راحت السائح تنقل إلى العالم نتاج أقلام القائمين بها، وفى صدر كل عام كانت تصدر عددا ممتازا كان يطلع على الأدب العربى كحدث خطير، فتكتب الصحف فيه فصولا وتنقل عنه الشيئ الكثير، وهكذا انتشر اسم الرابطة فى العالم العربى وكل مهاجره.

وفى عام ١٩٢١م ظهرت "مجموعة الرابطة القلمية" تحمل عددا وافرا من المقالات والقصائد بأقلام سائر أعضاء الرابطة ماعدا إلياس عطاء الله فهو الوحيد الذى لم يجر قلمه بمقال فيها طيلة مدة عضويته، وكانت تلك المجموعة هى الوحيدة التى أصدرتها الرابطة ولم تتمكن من إصدار غيرها لأنها كانت تفتقر إلى المال.

وظلت الرابطة القلمية حية بأعضائها العشرة نحو إحدى عشرة سنة من سنة ١٩٢٠م إلى سنة ١٩٣١م، ثم بدأت تضمحل، فقد مات عميدها جبران خليل جبران، ثم تلاه رشيد أيوب وإلياس عطاء الله ونسيب عريضة ثم ندرة حداد فوليم كاتسفليس فوديع باحوط وإيليا أبو ماضى والباقون انتشروا فى الأماكن المختلفة، وقد باع عبد المسيح حقوق جريدته "السائح" جريدة الرابطة إلى الأستاذ راجى الظاهر صاحب جريدة "البيان" فى أواخر ١٩٥٧م.

Scanned with CamScanner

الزهاد لإبن الرومي

এই কবিতাটি কবি রচনা করেছেন পার্থিব জীবন ত্যাগকারীদের প্রশংসনীয় গুণ বর্ণনা করে এবং তাদের পথকে বর্ণনা করে অতঃপর বলেছেন পার্থিব ত্যাগ কারী যারা দূরে থাকে বিছানা থেকে দূরে থাকে

زهاد – زاهد সংসার ত্যাগী, দরবেশ, সন্ন্যাসী,পৃথিবীতে কিছু এমন সৌভাগ্যবান ব্যাক্তি আছে তাদেরকে পৃথিবীর ক্ষণস্থায়ী সুখ আকৃষ্ট করতে পারেনি। তারা নিজেদের সুখ স্বাচ্ছন্দ ভুলে গিয়ে সারারাত আল্লাহর ধ্যানে মগ্ন থাকেন। জাহান্নামের ভয়ে ভীত সন্ত্রস্ত থাকেন। একই সঙ্গে আল্লাহর কাছে ক্ষমা ও রহমত কামনা করেন। ইবাদতের সময় তারা কিভাবে আল্লাহর ধ্যানে মগ্ন এরকম তাদের মানসিক অনুভূতি তার নিকট বর্ণনা ফুটে উঠেছে এই কবিতার মাধ্যমে।

1) تتجافي جنوبهم – عن وطئ المراجع

مضجع (مضاجع) বিছানা/ শয্যাসঙ্গী وطئ – বিছানা/পদদলিত করা

جنب (جنوب) - পার্শ্ব দেশ - تجافي - দূর করা

*তারা তাদের পার্শ্বদেশ দূর করে রাখে তাদের বিছানার শয্যাসঙ্গী থেকে।

٢) كلهم بين خائف - مستجير و طامع

خاف – يخاف ভীত অবস্থায় থাকা ভয় পাওয়া بين - মধ্যে كلهم – তাদের প্রত্যেক

طمع – يطمع প্রত্যাশা করা طامع – প্রত্যাশী/ আশাবাদী

استجار – يستجر – مستجير নিরাশ হওয়া/ ভীত ব্যক্তি

*তারা সকলেই (সন্ন্যাসী গন) আশা ও নিরাশার মধ্যে ভীত অবস্থায় থাকে।

٣) تركوا لذة الكبرى - للعيون الهواجع

ترك – يترك – ছেড়ে দেওয়া/ ত্যাগ করা لذة - আনন্দ /তৃপ্তি كرى – يكرى শয্যা গ্রহণ

عين (عيون) অশ্রু নিদ্রা চোখ هجع يهجع নিদ্রা উপভোগ করা রাত্রির هاجع (هواجع) নিদ্রা উপভোগকারী

*তারা সকলেই আল্লাহকে ভয় করে ত্যাগ করেছে শয্যা গ্রহণ করা এর আনন্দ ও নিদ্রা উপভোগকারী এর আনন্দ রাত্রিবেলায়।

٤) لو ترا هم إذا هم – خطروا بالاصابع

راى – يراى দেখা إذا -যখন- ضمير - هم خطر – يخطر ইচ্ছা করা ب - حروف الجار

إصبع (أصابع) আঙ্গুল

WASIM REJA(SACT) SVC 9732087835

*যদি তুমি তাদেরকে লক্ষ্য কর গভীর দৃষ্টিতে তুমি তাদেরকে দেখতে পাবে আলহামদুলিল্লাহ পাঠ করতে আঙুল দ্বারা

٥) و إذا هم تاو هوا – عند مر القوارع

করা অতিক্রম يمر – مر নিকটে - عند ব্যথা পাওয়া/আহ উহ করা- تاوه – يتاوه
বিপদ/ মহাবিপদ/ মুসিবত (قوارع) قارعة

*যখন তোমরা তাদের উপর গভীরভাবে দৃষ্টিপাত করবে তখন তোমরা তাদেরকে দেখতে পাবে কষ্ট অনুভব করতে (উহ আহ করতে)

٦) و إذا باشروا الثرى - بالخدود الضوارع

ضارع গাল- (خدود) خد মাটি ভিজে /মাটি-ثرى সংস্পর্শে আসা- باشر- يباشر
ক্রন্দনকারী – (ضوارع)

*যখন তারা কোন সমস্যার সম্মুখীন হতেন তখন তারা তাদের চোয়ালকে বা গাল কে মাটিতে রেখে দিয়ে ক্রন্দন করতেন আল্লাহর উপাসনায়।

٧) واستهلت عيونهم – فايضات المدامع

অশ্রু – (مدامع) مدمع বন্যা ঝর্ণা-(فائضات) فائضة ক্রন্দন করতে থাকা-استهل- يستهل
ধারা/চোখের জল

*এবং তাদের চক্ষুগুলি ক্রন্দন করতে থাকতো এবং চক্ষুর অশ্রু ঝরনার ন্যায় বইতে থাকতো।

٨) و دعوا : يا مليكنا – ياجميل الصنايع

/সুন্দর-جميل حروف النداء -يا প্রভু/ মালিক/ সম্রাট – مليك প্রার্থনা করা -دعا يدعوا
প্রস্তুত করা/ সৃষ্টি করা-(صنائع) صناعة উত্তম

*তারা প্রার্থনা করে হে আমাদের প্রভু হে উত্তম বিনিময় প্রদানকারী। হে সাম্রাজ্যের উত্তম সৃষ্টিকারী।

٩) اعف عنا ذنوبنا – للوجوه الخواشع

মুখমণ্ডল/ চেহারা -(وجوه) وجه ل-حروف الجار পাপ -(ذنوب) ذنب ক্ষমা করা-عفا يعفو
ভীত-(خواشع) خاشع

WASIM REJA (SACT) SVC 9732087833

*আমাদের সমস্ত গুনাহগুলিকে ক্ষমা করে দেন। ওই সমস্ত ভীত চেহারা গুলির জন্য।(হে আল্লাহ সকল অবলকন কারী অবশ্যই দেখেছেন যেগুলি করেছে আমার অঙ্গ পতঙ্গ অবৈধভাবে অতঃপর আপনি ক্ষমা করে দেন চেহারার গুনাহগুলি)

١٠) اعف عنا ذنوبنا – للعيون الدوامع

دامع (دوامع) – অশ্রু ধারী

*আপনি আমাদের সমস্ত গুনাহ ক্ষমা করে দেন। ওই সমস্ত চোখের যা সর্বদা অশ্রুধারীর অবস্থায় রয়েছে। (সাম্রাজ্যের মালিক আপনি সব কিছু দেখেছেন। অতঃপর আপনি দেখেছেন আমার চোখ যেদিকে দেখেছি অবৈধভাবে। আমার চোখের গুনা গুলি মাফ করে দেন)

١١) أنت ان لم يكن لنا – شافع خير شافع

خير- উত্তম شافع- সুপারিশ কারী

*যদি আমার জন্য কোন সুপারিশকারী না থাকে তাহলে আপনার ভয় নেই। কারণ আপনি উত্তম সুপারিশ কারী।

١٢) فأجيبوا إجابة – لم تقع في المسامع

اجاب -يجيب সাড়া দেওয়া- وقع يقع- পতিত হওয়া ঘটা مسمع (مسامع)-শ্রবণ করা

*তুমি আমাদের ওই রকম প্রার্থনা কবুলকারী, যা কখনো শোনা যায়নি।

١٣) ليس ما تصنعونه – اوليائي بضائع

صنع يصنع-তৈরি করা ولي (اولياى)-বন্ধু ضائع- নষ্ট হয়ে যাওয়া

*হে আমার প্রিয় বান্দা তোমরা যা কিছু করছো সেগুলি বিফলে যাবে না।

١٤). و ابذلوا لى نفوسكم - إنها في ودائعى

بذل يبذل- ব্যয় করা/ বহন করা نفس (نفوس)-আত্মা وديعة (ودائع) -গচ্ছিত/ সঞ্চয়িত

*তুমি আমাদের জন্য আমাদের আত্মার বহনকারী। যা আমাদের পরকালের জন্য গচ্ছিত।

WASIM REJA (SACT) SVC 9732087833